शब्दावली एवं संकेताक्षर

शब्दावली

क्रम सं.	शब्द	विवरण
1.	ऋण का अभिहस्तांकन	दिए गए मूल्य पर प्रतिभूतिकरण कम्पनियों/ परिसम्पत्ति पुनर्निमाण कम्पनियों (एआरसी) को वित्तीय संस्थाओं द्वारा अनर्जक परिसम्पत्तियों (एनपीएज)/स्ट्रेस्ड एकाउंट की बिक्री। इस प्रकार प्रतिभूतिकरण कम्पनियों /एआरसी द्वारा अधिग्रहित एनपीए/स्ट्रेस्ड एकाउंट को इनके द्वारा स्थापित ट्रस्ट में स्थानांतरित किया जाता है। जिसके प्रति वित्तीय संस्थाओं को प्रतिभूति प्राप्तियां (एसआर) जारी की जाती है जिसका भुगतान अधिग्रहण की वास्तविक तिथि से पांच वर्षों की अवधि के अन्दर (आठ वर्षों तक बढाने योग्य) किया जाना है। यदि प्रतिभूतिकरण कम्पनी/एआरसी आठ वर्षों की अधिकतम अवधि के अन्दर एनपीए का निपटान नहीं करती तो प्रतिभूति प्राप्तियों के रूप में निवेश को वित्तीय संस्थाओं के बही लेखाओं से हटाया जाना है।
2.	शेयरों का ब्रेक -अप मूल्य	अमूर्त सम्पत्तियों एवम् पुनर्मूल्याकंन संग्रहण द्वारा कम किए गए इक्विटी पूंजी तथा रिज़र्व को इक्विटी शेयरो द्वारा विभाजन।
3.	शेयरों की वापसी खरीद	निवेशी कम्पनी जिसकी इक्विटी को निवेशक तथा निवेशित कम्पनी के बीच किए गए करार की शर्तों में दी गई समय-सीमा के अनुसार निवेशक द्वारा लिया गया है, के द्वारा स्वयं के शेयरों की खरीद।
4.	कॉल ऑप्शन	कॉल ऑप्शन एक वचनबद्धता है जो जारीकर्ता को निर्दिष्ट समयावधि के अन्दर एक निर्दिष्ट मूल्य पर स्टॉक, बांड खरीदने का अधिकार देती है।
5.	संयुक्त ऋणदाताओं का मंच एवं सुधारात्मक कार्य योजना	''वित्तीय समस्याओं की प्रारम्भिक पहचान, समाधान के लिए शीघ्र कार्रवाई तथा ऋणदाताओं के लिए निष्पक्ष वसूली: अर्थव्यवस्था में समस्या वाली परिसम्पत्तियों को रिवाइटलाइज करने के लिए कार्यढांचा'' पर दिनांक 21 मार्च 2014 के आरबीआई के दिशानिर्देशो के अनुसार जब एक खाते को विशेष वर्णित खाता -2 (61 से 180 दिनो के बीच अतिदेय मूलधन/ब्याज भुगतान) के रूप में सूचित किया जाता है तो ऋणदाताओं को संयुक्त ऋणतादाओं का मंच

		(जेएलएफ) कही जाने वाली एक समिति का अनिवार्य रूप से निर्माण करना चाहिए जो खाते में समस्या के जल्द समाधान हेतु सुधारात्मक कार्य योजना (सीएपी) बनाएगी। सीएपी का लक्ष्य अंतर्निहित परिसम्पत्तियों के साथ-साथ ऋणदाताओं के ऋण का आर्थिक मूल्य संरक्षित करने हेतु एक व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करना है। जेएलएफ द्वारा सुधारात्मक कार्य योजना (सीएपी) के तहत विकल्प में सामान्य रूप से पुनर्गठन, सुधार तथा वसूली शामिल होगी।
6.	अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय अधिमान शेयर	अधिमान शेयर जो एक पूर्वनिर्धारित समय चक्र के पश्चात अथवा निर्दिष्ट तिथि पर कम्पनी के इक्विटी शेयरो में परिवर्तित हो जाते है।
7.	अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय ऋण-पत्र	ऋण प्रतिभूति का एक प्रकार जहां ऋण-पत्र का पूर्ण मूल्य स्वीकृति की शर्तों के अनुसार भविष्य में इक्विटी शेयरो में अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय होता है।
8.	कम्पनी ऋण पुनर्गठन	यह देनदार-लेनदार करार तथा अंत: लेनदार करार पर आधारित एक स्वैच्छिक प्रणाली है जो सभी के संबंधित लाभ के लिए बीआईएफआर, डीआरटी तथा अन्य कानूनी कार्रवाईयों के क्षेत्र से बाहर आन्तरिक या बाह्य कारको से प्रभावित व्यवहार्य निगमित इकाईयों के निगम ऋणो के पुनर्गठन के लिए समय पर तथा पारदर्शी तंत्र को सुनिश्चित करने के लिए ढांचा प्रदान करती है।
9.	क्रेडिट सूचना प्रतिवेदन	उधारकर्ता के पिछले ऋण का ब्यौरा देते हुए अन्य मौजूदा ऋणदाताओं से प्राप्त प्रतिवेदन।
10.	वाणिज्यिक परिचालन तिथि	वह चरण जब परियोजना निर्माण समाप्त होता है तथा वाणिज्यिक परिचालन आरम्भ होता है।
11.	कट-ऑफ तिथि	वह तिथि जिससे पुनर्गठन प्रभावी है।
12.	समर्थक प्रतिभूति	प्राथमिक प्रतिभूति के अतिरिक्त दी गई प्रतिभूति
13.	कूपन	करार की शर्तों के अनुसार ऋण/इक्विटी पर निर्धारित प्रतिलाभ
14.	चालू अनुपात	एक तरलता अनुपात जो यह निर्धारित करता है कि क्या कम्पनी के पास अपने लघुकालीन दायित्वो को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन है। फॉर्मुला = चालू परिसम्पत्तियां / चालू देनदारियां

15.	ऋण-इक्विटी अनुपात	एक लीवरेज अनुपात है जो यह दर्शाता है कि एक कम्पनी अपनी संपत्तियों के वित्तपोषण हेतु शेयर धारको की इक्विटी में प्रस्तुत धनराशि के मुकाबले कितना ऋण उपयोग कर रही है। फॉर्मूला = दीर्घावधि ऋण / इक्विटी शेयर पूंजी+मुक्त रिजर्व
16.	बट्टा-गत नकद प्रवाह	यह एक मूल्यांकन पद्धति है जो वर्तमान मूल्य पर पहुंचने के लिए आगामी नकद प्रवाहों को बट्टा-गत करके इसका उपयोग निवेश की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए करता है।
17.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	ऋण की सेवा के लिए उपलब्ध नकद का वास्तविक ऋण दायित्व से अनुपात। फॉर्मूला= पीएटी+ मूल्यह्रास+ ब्याज / परिपक्व होने वाला वार्षिक दायित्व+ ब्याज मौजूदा डीएससीआर को मौजूदा वित्तीय विवरणो में उपलब्ध सूचना के आधार पर संगणित किया जाता है। क्रेडिट सुविधा की अवधि के दौरान प्रक्षेपित डीएससीआर को आगामी वित्तीय प्रक्षेपणो के आधार पर संगणित किया जाता है।
18.	आपात बिक्री मूल्य	न्यूनतम मूल्य जिसकी ऋणदाता सम्पत्ति की बिक्री के मामले में उगाही करने की उम्मीद की जाती है।
19.	चूक की घटना	ऋणदाता तथा ऋणी के बीच किए गए ऋण करार में वर्णित घटनाएं जिनके होने पर चूक की घटना होती है। इसमें ऋण शर्तों के अनुपालन की विफलता, ऋणी की अपने ऋण का भुगतान की अक्षमता, कुछ निर्दिष्ट प्रतिशतता से शेयरो के मूल्य में गिरावट, गिरवी शेयरो के मूल्य में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट, 3 कार्यकारी दिवसो के अन्दर नकद मार्जिन प्रदान करने की विफलता आदि सम्मिलित है।
20.	एस्क्रो लेखा	यह विशिष्ट रूप से एक परियोजना के लिए सृजित बैंक खाता है। परियोजना से संबंधित सभी आय और व्ययो को एस्क्रो लेखा के माध्यम से भेजा जाना है। ऋणी ऋणदाता की अनुमति के बिना एस्क्रो लेखा में जमा का आहरण नहीं कर सकता है।

21.	अचल परिसम्पत्ति कवरेज अनुपात	वह अनुपात जो दीर्घकालीन ऋण देयताओं को अचल परिसम्पत्तियों से कवर करने की कम्पनी की क्षमता का निर्धारण करता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि एक कम्पनी के दीर्घ कालीन ऋणो को अकसर अचल परिसम्पत्ति से सुरक्षित किया जाता है। फार्मूला= निवल अचल परिसम्पत्ति + सीडब्ल्यूआईपी मियादी ऋण
22.	विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड	जारीकर्ता की घरेलू मुद्रा से भिन्न मुद्रा में जारी ऋण प्रतिभूति का एक प्रकार है। ये बांड सामान्य तौर पर बांडधारक के विवेक से बांड की अवधि के दौरान कम्पनी के इक्विटी शेयरो की पूर्वनिर्धारित राशि के अन्दर परिवर्तित हो सकते है।
23.	पूर्ण रूप से परिवर्तनीय ऋण-पत्र	ऋण प्रतिभूति का एक प्रकार है जहां ऋण पत्र-की पूर्ण राशि संस्वीकृति की शर्तों के अनुसार भविष्य में इक्विटी शेयरो में परिवर्तनीय होती है।
24.	अपरिवर्तनीय ऋण-पत्र	ऋण प्रतिभूति का एक प्रकार है जिसे भविष्य में इक्विटी शेयरो के अन्दर परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।
25.	वित्तपोषित ब्याज मियादी ऋण	बकाया ब्याज राशि जिसे मियादी ऋण में परिवर्तित किया जाता है।
26.	हरित क्षेत्र परियोजना	निवेश के पूर्णतया नए क्षेत्र में एक गतिविधि।
27.	ब्याज कवरेज अनुपात	यह निर्धारित करने हेतु एक अनुपात कि कम्पनी अपने बकाया ऋण पर ब्याज व्यय के भुगतान कितनी सरलता से कर सकती है। फार्मूला =पीएटी+ ब्याज ब्याज
28.	अन्तरिम प्रतिभूति	संस्वीकृति की शर्तों के अनुसार प्राथमिक प्रतिभूति के सृजन होने तक ऋणकर्ता से प्राप्त की गई प्रतिभूति।
29.	अग्रणी बैंक	एक बैंक जो प्रतिभूति की अंडर-राइटिंग प्रक्रिया को प्रबंधित करता है अथवा ऋणदाताओं के संघ का नेतृत्व करता है।
30.	शेयरों का लॉक -इन पीरियड	वह अवधि जिसके दौरान शेयरों को बेचा नहीं जा सकता।
31.	स्थगन अवधि	ऋण अवधि के दौरान की वह अवधि जब ऋणी को मूलधन/कूपन के किसी पुन: भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती।

32.	गैर-निपटान वचनपत्र/मुख्तारनामा	इस व्यवस्था में शेयरो को एजेंट/ट्रस्टी के साथ एस्क्रो लेखा में जमा किया जाता है। यदि कोई चूक होती है तो एजेंट/ट्रस्टी इन शेयरो का निपटान एनडीयू व्यवस्थाओं के अनुसार तथा ऋणदाता के निर्देशो के आधार पर करेगा।
33.	निवल वर्तमान मूल्य हानि	क्रेडिट सुविधा के पुनर्गठन की शर्तों पर फिर से बातचीत करने के कारण ऋणदाता द्वारा वहन की गई मूलधन अथवा ब्याज की हानि।
34.	वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय ऋण-पत्र	ऋण-पत्र जिसे पूर्व निर्धारित मूल्य पर एक निश्चित अवधि के समाप्त होने पर इक्विटी शेयरो में परिवर्तित किया जा सकता है यदि धारक ऐसा करना चाहे।
35.	समरूप प्रभार	यह प्रभार ऋणी कम्पनी की निर्दिष्ट परिसम्पतियों में सभी समरूप ऋणदाताओं को समान अधिकार प्रदान करता है।
36.	मूल्य अर्जन अनुपात	यह एक कम्पनी के शेयर मूल्य का इसकी प्रति शेयर आय के प्रति अनुपात है। इसे वर्तमान इक्विटी शेयर मूल्य को इसकी प्रति शेयर आय से भाग करके संगणित किया जाता है।
37.	पुट ऑप्शन	एक पुट आप्शन एक वचनबद्धता है जो निवेशक को निर्दिष्ट समय में निर्दिष्ट राशि के स्टॉक बांड को बेचने का अधिकार देता है।
38.	स्कीम फॉर सस्टेनेबल स्ट्रक्चरिंग ऑफ स्ट्रेस्ड एस्सेट (एस4ए)	यह बड़े स्ट्रेस्ड खातो के निपटान के लिए आरबीआई की एक योजना है। यह स्ट्रेस्ड ऋणी के लिए वहनीय ऋण स्तर के निर्धारण तथा वहनीय और अवहनीय ऋण के अन्दर बकाया ऋण के द्विशखन की परिकल्पना करती है। अवहनीय ऋण को इक्विटी सम्बंधित उपकरणो में परिवर्तित किया जाएगा जिसे एक बाद की तिथि पर चुकाया जा सकता है।
39.	द्वितीय प्रभार	प्रथम प्रभार की संतुष्टि होने के पश्चात प्रतिभूति पर इस प्रभार में अपनी देयताएं प्राप्त होती है।
40.	वित्तीय परिसम्पत्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का	इस अधिनियम के तहत प्रतिभूति प्राप्त क्रेडिटरो (बैंक तथा वित्तीय संस्थान) के पास प्रतिभूति हित लागू करने का अधिकार होता है। यह बैंक तथा अन्य वित्तीय संस्थानो को गिरवी सम्पत्तियों पर कब्जा करने तथा बकाया ऋण देयताओं की वसूली करने के लिए इनकी नीलामी करने की

	प्रवर्तन अधिनियम, 2002	अनुमति देता है। हालांकि कृषि भूमि को इस अधिनियम की सीमा से छूट प्राप्त है।
41.	अल्प-अवधि ऋण	यह एक वर्ष से कम अवधि में पुन: भुगतान होने के लिए निर्धारित ऋण है।
42.	विशेष आर्थिक क्षेत्र	यह एक राज्य के अन्दर एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसमें अधिकतर देश में प्रचलित व्यवस्थाओं से अधिक उदार आर्थिक नीतियां तथा शासन व्यवस्थाओं के लिए एक विशिष्ट कानूनी कार्यढांचा प्रदान किया जाता है।
43.	विशेष प्रयोजन माध्यम	एक परियोजना चालू करने, वित्तीय व्यवस्थाओं के सरलीकरण अथवा वित्तीय साधन के सृजन जैसे बेहतर परिभाषित प्रयोजन के लिए सृजित एक कानूनी इकाई है।
44.	सामरिक ऋण नवीनीकरण	दिनांक 8 जून 2015/23 जुलाई 2015 के आरबीआई दिशा-निर्देशो के अनुसार, यह एक ऋण नवीनीकरण तंत्र है जिसमें ऋणदाताओं की ऋण देयता (मूलधन तथा बकाया ब्याज) को ऋणी कम्पनी के इक्विटी शेयरो में परिवर्तित किया जाता है ताकि ऋणी कम्पनी में अधिकतर शेयरहोल्डिंग अधिग्रहित की जा सके। पश्च परिवर्तन सभी ऋणदाताओं को ऋणी कम्पनी द्वारा जारी इक्विटी शेयरो का 51 प्रतिशत अथवा अधिक को सामूहिक रूप से धारण करना चाहिए तथा उचित अवधि में ऋणदाताओं को एक नए प्रवर्तक के लिए ऋणी कम्पनी में अपना इक्विटी स्वामित्व छोड देना चाहिए।
45.	अधीन प्रभार	यह एक प्रतिभूति पर बकाया प्रभार है जो अपनी देयताओं को सभी अन्य प्रभारों को चुकाने के पश्चात प्राप्त करता है।
46.	ट्रस्ट तथा अवरोधन खाता	एक तंत्र जिसमें परियोजना के सभी राजस्वो को पदनामित टीआरए एजेंट के साथ अनुरक्षित एक एकल खाते के अन्दर संचालित किया जाता है। ऋणी से विचार विमर्श में ऋणदाता आवधिक हस्तांतरण तथा टीआरए में उपलब्ध निधियों के उपयोग हेतु एक विस्तृत अधिदेश बनाता है। ऋणदाता को भुगतान ऋणी से किसी व्यवधान के बिना टीआरए एजेंट द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया जाना है। यह अवसंरचना परियोजना के वित्तपोषण में एक सामान्य विशेषता है।

47.	ऋण की अंडर-राइटिंग	एक व्यवस्था जिसमें अग्रणी बैंक/वित्तीय संस्थान एक वचन देता है कि यदि ऋण को पूर्ण रूप से सब्सक्राइब नहीं किया जाता तो अंडरराइटर गैर-अभिदत्त भाग को अवशोषित करने का विकल्प चुन सकता है अथवा यह अन्य ऋणदाताओं को अपने ऋण के शेयर को बनाए रखने के पश्चात ऋण के अंडरसब्सक्राइब्ड भाग को बेच सकता है।
48.	असूचीबद्ध/अनुद्धरित शेयर	वह शेयर जो किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है।
49.	वसूला न गया ब्याज	आरबीआई दिशा-निर्देशो के अनुसार अनर्जक परिसम्पत्ति पर अर्जित ब्याज को आय स्वीकृति पर आय विवरण में मान्यता नहीं दी जाती। अनर्जक परिसम्पत्ति पर अर्जित ब्याज को आय विवरण में केवल तब मान्यता दी जा सकती है जब यह वास्तव में नकद में प्राप्त हुआ हो।